5

दोहा एकादश

साँच बराबर तप नहीं, झूठ बरावर पाप।
जाके हिरदै साँच है, ताके हिरदै आप।।1।।

बोली एक अमोल है, जो कोई बोले जानि।
हिये तराज़ू तौलिके, तब मुख बाहर आनि।।2।।

अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।
अति का भला न बोलना, अति की भली न चूप।।3।।

काल्ह करै सो आज कर, आज करै सो अब।
पल में परलै होयगी, बहुरि करैगो कब।।4।।

साँईं इतना दीजिए, जामें कुटुम समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु न भूखा जाय।।5।।

निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय।
बिनु पानी साबुन बिना, निरमल करै सुभाय।।6।।

दोस पराया देखकर, चले हसंत हसंत।
अपनो याद न आवई, जाको आदि न अंत।।7।।

जाति न पूछो साधु की पूछि लीजिए ग्यान।
मोल करो तलवार का पड़ी रहन दो म्यान।।8।।

माला फेरत जुग गया, फिरा न मन का फेर।
करका मनका डारिदे, मन का मनका फेर।।9।।

सोना, सज्जन, साधुजन, टूटिजुरैं सौ बार।
दुर्जन कुंभ कुम्हार के, एकै धका दरार।।10।।

तिनका कबहुँ न निंदिए, जो पाँयन तर होय।
कबहुँक उड़ि आँखिन परै, पीर घनेरी होय।।11।।

- कबीर

शिक्षण संकेत बच्चों को दोहा पढ़ना सिखाएँ तथा उनका गूढ़ अर्थ भी समझाएँ।

सुनो और लिखो साँच, तराज़ू, साँई, आँगन, निंदक, म्यान, सज्जन, कुम्हार, तिनका, दुर्जन

हिंदी में अँगरेज़ी एवं अन्य भाषाओं के प्रचलित शब्द तराज़ू

शब्दार्थ

तप - तपस्या
अमोल - अनमोल (जिसका मूल्य न हो)
हिये - हृदय
परलै - प्रलय
कुटुम (कुटुंब) - परिवार
निंदक - बुराई करने वाला
फेर - भ्रम
पीर - पीड़ा/दर्द

अभ्यास

पाठ कौशल

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखि

सोचो और बताओ

(क) कबीरदास के अनुसार पाप क्या है?
(ख) कौन-सी बोली अनमोल बताई गई है?
(ग) हमारे स्वभाव को कौन निर्मल बना देता है?
(घ) सच्चा साधु कौन होता है?
(ङ) तिनके की भी निंदा क्यों नहीं करनी चाहिए?

संकलित मूल्यांकन

लिखि

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

(क) सबसे बड़ी तपस्या क्या है?

____

____

ST. PETER'S SR. SEC. SCHOOL, JAORA

CLASS - VIII

SUBJECT - हिन्दी

Radiant

Date : / / Page :

पाठ - 5
दोहा एकादश

विधा - दोहा
कवि - कबीर

1. सोचो और बताओ -

(क) कबीरदास के अनुसार पाप क्या है ?

उ॰ कबीरदास के अनुसार झूठ बोलना पाप है।

(ख) कौन - सी बोली अनमोल बताई गई है ?

उ॰ जो हृदय रूपी तराजू पर तौलकर अर्थात् अच्छी तरह सोच - विचार कर बोली जाती है, वही बोली अनमोल बताई गई है।

(ग) हमारे स्वभाव को कौन निर्मल बना देता है ?

उ॰ हमारी निंदा करने वाला हमारे स्वभाव को निर्मल बना देता है।

(घ) सच्चा साधु कौन होता है ?

उ॰ सच्चा साधु वही होता है जो सच्चे मन से भगवान का ध्यान करता है।

(ङ) तिनके की भी निंदा क्यों नहीं करनी चाहिए ?

उ॰ तिनके की भी निंदा इसलिए नहीं करनी चाहिए

क्योंकि हवा में उड़कर वह तिनका यदि आँख में पड़ गया तो बहुत कष्ट देगा।

2. लिखित -

(क) सबसे बड़ी तपस्या क्या है?

उ. सबसे बड़ी तपस्या सत्य बोलना है।

(ख) ईश्वर किसके हृदय में निवास करता है?

उ. ईश्वर उसके हृदय में निवास करता है जो सदा सत्य बोलता है।

(ग) कबीर निंदक के पास रहने की सलाह क्यों देते हैं?

उ. कबीर निंदक के पास रहने की सलाह इसलिए देते हैं क्योंकि वह तुरंत दुर्गुण बता देते हैं जिसका सुधार किया जा सकता है।

(घ) साधु की पहचान किस आधार पर की जानी चाहिए?

उ. साधु की पहचान ज्ञान के आधार पर की जानी चाहिए।

(ङ) सौ-सौ बार टूटने पर भी कौन-कौन जुड़ जाते हैं?

उ. सौ-सौ बार टूटने पर भी सोना, सज्जन तथा साधु लोग जुड़ जाते हैं।

N.J.
05/06/2020.

(ख) ईश्वर किसके हृदय में निवास करता है?

(ग) कबीर निंदक के पास रहने की सलाह क्यों देते हैं?

(घ) साधु की पहचान किस आधार पर की जानी चाहिए?

(ङ) सौ-सौ बार टूटने पर भी कौन-कौन जुड़ जाते हैं?

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

MCQ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

(क) हमें **सोच-समझ कर** [✓] **बिना सोचे** [ ] बोलना चाहिए।

(ख) किसी भी कार्य को **आज** [ ] **कल** [✓] पर नहीं छोड़ना चाहिए।

(ग) हमें दूसरों की **भलाई** [✓] **बुराई** [ ] करनी चाहिए।

(घ) छोटी से छोटी वस्तु **अनुपयोगी** [ ] **उपयोगी** [✓] होती है।

(ङ) किसी भी चीज़ की अति **बुरी** [✓] **अच्छी** [ ] होती है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(क) झूठ बोलने से बड़ा कोई पाप नहीं है।

(ख) सबसे पहले हमें अपने दोषों को देखना चाहिए।

(ग) किसी भी कार्य को कल पर नहीं छोड़ना चाहिए।

(घ) बार-बार रूठने पर भी सज्जन व्यक्ति को मना लेना चाहिए।

(ङ) ईश्वर हमें इतना दीजिए जिससे हमारे कुटुंब का भरण-पोषण हो जाए।

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

अमोल - मीठी और सच्ची वाणी वास्तव में अमोल है।

झूठ - झूठ बोलना सबसे बड़ा पाप है।

स्वभाव - अच्छा स्वभाव सम्मान दिलाता है।

आँगन - तुलसी का पौधा आँगन में लगाया जाता है।

निंदा - हमें दूसरों की निंदा नहीं करनी चाहिए।

भाषा कौशल

1. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखो-

साँच - सत्य
हिरदै - हृदय
मुँह - मुख
आज - अद्य
कुटुम - कुटुंब
निरमल - निर्मल
दोस - दोष
सोना - स्वर्ण
कुम्हार - कुम्भकार
आँख - आँख

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

पाप × पुण्य
झूठ × सच
अति × कम
धूप × छाँव
सज्जन × दुर्जन

रचनात्मक कौशल

1. कबीर के कोई पाँच दोहे याद करो।
2. भक्ति परक दोहे चुनकर उन्हें संग्रहीत करो।